R.M.A. College Baheri Darbhanga (LNMU)
B.A (Hons) Part - I Paper - II

10-07-2020

भारत में शिक्षित बेरोजगारी

Dr. S. K. Singh
Deptt of Economics

(EDUCATED UNEMPLOYMENT IN INDIA)

शिक्षित बेरोजगारी से अर्थ उस बेरोजगारी से है जिसमें रोजगार चाहने वाला व्यक्ति शिक्षित है लेकिन उसको रोजगार नहीं मिल रहा है। भारत में शिक्षित बेरोजगारी बढ़ रही है जिसके कारण निम्न प्रकार हैं:

(1) शिक्षा का विस्तार - स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा का काफी विस्तार हुआ है। हजारों स्कूल खुले हैं। हजारों कॉलेज व टेक्नीकल इंस्टीट्यूट स्थापित हुए हैं। इन सबके फलस्वरूप शिक्षित व्यक्तियों की संख्या का विस्तार हुआ है।

(2) दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली - शिक्षित बेरोजगारी बढ़ने का दूसरा कारण दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली है। इसमें सैद्धान्तिक बातों पर अधिक ध्यान दिया जाता है जबकि व्यावहारिक बातों पर कम। उसका परिणाम यह होता है कि शिक्षित व्यक्ति व्यावहारिक नहीं हो पाते हैं।

(3) मनोवृत्ति में परिवर्तन - शिक्षित बेरोजगारी बढ़ने का तीसरा कारण शिक्षित व्यक्ति की मनोवृत्ति में परिवर्तन है। शिक्षित व्यक्ति दफ्तरों में नौकरी पाने की इच्छा तो रखता है, लेकिन स्वयं परिश्रम का कार्य नहीं करना चाहता है।

(4) प्रशिक्षण संस्थाओं की अपर्याप्तता :- शिक्षित बेरोजगारी बढ़ने का चौथा कारण भारत में प्रशिक्षण संस्थाओं का अभाव है। यहाँ जिस गति से शिक्षित व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि हो रही है उस गति से प्रशिक्षण संस्थाएँ न तो स्थापित हो रही हैं और न पुरानी संस्थाओं का विस्तार व विकास।

(5) उपयुक्त सूचनाओं को प्रदान करने वाली संस्थाओं का अभाव - शिक्षित बेरोजगारी बढ़ने का पांचवां कारण भारत में उपयुक्त सूचनाएँ देने वाली संस्थाओं का अभाव है। यहां के विशाल क्षेत्रफल व शिक्षा के विस्तार की तुलना में ऐसी संस्थाओं का अभाव है जो शिक्षित व्यक्तियों को यह दिशा - निर्देश दे सकें कि उन्हें किस प्रकार का रोजगार मिल सकता है।

शिक्षित बेरोजगारी कम करने के लिए सरकारी प्रयास

भारत में शिक्षित बेरोजगारी कम करने के लिए सरकार निम्न योजनाएं लागू किए हैं - (i) पिछड़े क्षेत्रों में उद्योग खोलने पर सहायता (ii) परिवहन सहायता (iii) स्वरोजगार कार्यक्रम (iv) इन्जीनियर सहायता प्रोग्राम,